Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. इनमें से कौन-सा संरक्षण तरीका समुदायों की सीधी भागीदारी नहीं करता–

(अ) संयुक्त वन प्रबन्धन
(ब) चिपको आन्दोलन
(स) वन्य जीव पशु विहार (sanctuary) का परिसीमन
(द) बीज बचाओ आन्दोलन

2. भारतीय वन क्षेत्रफल के अंतर्गत अवर्गीकृत वनों का क्षेत्रफल कितना हैं?

(अ) 8.10%
(ब) 13.3%
(स) 16.4%
(द) 8.1%

3. किस राज्य में सरिस्का बाघ अभयारण्य स्थित है?

(अ) पंजाब
(ब) उड़ीसा
(स) हरियाणा
(द) राजस्थान

4. चिपकों आंदोलन किस क्षेत्र से संबंधित हैं?

(अ) हिमालय क्षेत्र
(ब) मरूस्थलीय क्षेत्र
(स) प्रायद्वीपीय क्षेत्र
(द) नीलगिरी क्षेत्र

5. कौन-सा उद्यान, भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान है?

(अ) दुधवा राष्ट्रीय उद्यान (उत्तरप्रदेश)
(ब) जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान (उत्तराखण्ड)
(स) कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान (सिक्किम)
(द) कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान (मध्यप्रदेश)

6. भारत के किस राज्य में चन्द्रप्रभा वन्य जीव अभ्यारण स्थित हैं?

(अ) मानव निर्मित
(ब) जैव
(स) अजैव
(द) पुनः पूर्ति योग्य

7. इनमें से कौन-सी टिप्पणी प्राकृतिक वनस्पतिजात और प्राणिजात के ह्रास का सही कारण नहीं है?

(अ) कृषि प्रसार
(ब) पशुचारण और ईंधन लकड़ी एकत्रित करना
(स) तीव्र औद्योगीकरण और शहरीकरण
(द) वृहत स्तरीय विकास परियोजनाएँ

8. केवलादेव घना पक्षी विहार कहाँ स्थित हैं?

(अ) भरतपुर (राजस्थान)
(ब) चिंगलपेट (तमिलनाडू)
(स) अलवर (राजस्थान)
(द) सवाईमाधोपुर (राजस्थान)

9. दुधवा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में है?

(अ) उत्तर प्रदेश
(ब) राजस्थान
(स) मध्य प्रदेश
(द) दिल्ली

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहां चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

10. पेरियार बाघ रिजर्व स्थित है-

(अ) हरियाणा (ब) असम

(स) पश्चिम बंगाल (द) केरल

रिक्त स्थान

11. चीता _____ की गति से दौड सकता है।

12. भारत के _____ सर्वाधिक स्थायी वन क्षेत्र है।

सत्य/असत्य

13. चिपको आन्दोलन का सम्बन्ध वनों को काटने से रोकना है।

14. बीज बचाओं आन्दोलन टीहरी से शुरू किया गया था।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. भारत में कुल कितना वनाच्छादित क्षेत्र है?

16. उष्णकटीबंधीय पर्णपाती वनों की दो विशेषताएँ बताइए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. मानव के लिए वन किस प्रकार उपयोगी है?

18. राष्ट्रीय वन नीति के उद्देश्य क्या हैं?

निबंधात्मक प्रश्न

19. जैव विविधता क्या है? यह मानव जीवन के लिए क्यों महत्त्वपूर्ण है?

20. वन और वन्य जीव संरक्षण पर निबन्ध लिखिए।

HOTS

21. भारत में विभिन्न समुदायों ने किस प्रकार वनों और वन्य जीव संरक्षण और रक्षण में योगदान किया है? विस्तार पूर्वक विवेचना करें।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

1. **(ग)** वन्य जीव पशु विहार (sanctuary) का परिसीमन
2. **(ग)**
भारतीय वन क्षेत्रफल के अंतर्गत अवर्गीकृत वनों का क्षेत्रफल 16.4% हैं।
3. **(घ)**
सरिस्का बाघ अभयारण्य राजस्थान राज्य में स्थित है। सरिस्का की विशेषता बाघों की वजह से है तथा पहाड़ियों के बीच बसें होने से है।
4. **(क)**
चिपकों आंदोलन हिमालय क्षेत्र से संबंधित है। यह आन्दोलन पर्यावरण की रक्षा करने का एक ग्रामीण आन्दोलन था। इसकी शुरुआत उत्तराखंड के चमोली जिले में सन 1973 में हुई थी।
5. **(ख)**
भारत में स्थापित प्रथम राष्ट्रीय उद्यान जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान हैं। इसका नाम हेली नेशनल पार्क था।
6. **(ख)**
उत्तर प्रदेश में चंद्रप्रभा वन्य जीव अभ्यारण स्थित हैं। यह अभयारण्य राष्ट्रीय वन्यजीव एक्शन प्लान (2002-2016) के अंतर्गत देश के 668 संरक्षित वन क्षेत्रों में से एक है।
7. **(ख)**
पशुचारण और ईंधन लकड़ी एकत्रित करना प्राकृतिक वनस्पतिजात और प्राणिजात के हास का सही कारण नहीं है।
8. **(क)**
भारत में राजस्थान में भरतपुर क्षेत्र में केवलादेव घना पक्षी विहार है। इसको पहले भरतपुर पक्षी विहार के नाम से जाना जाता था।
9. **(क)**
दुधवा राष्ट्रीय उद्यान उत्तर प्रदेश राज्य के लखीमपुर खीरी जिले में स्थित है। यह उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा एवं समृद्ध जैव विविधता वाला क्षेत्र है।
10. **(घ)**
पेरियार टाइगर रिज़र्व पेरियार नदी के नाम पर देश के सबसे प्रसिद्ध अभ्यारणों में से एक है। यह केरल के इडुक्की जिले में स्थित है।
11. 112 किमी. प्रति घंटा
12. मध्य प्रदेश
13. सत्य
14. सत्य
15. 79.42 मिलियन हेक्टेयर।
16. i. ग्रीष्म ऋतु के प्रारम्भ में तथा पतझड़ की ऋतु में इन वनों में वृक्ष अपनी पत्तियाँ गिरा देते हैं।
    ii. इन वनों का विशेष आर्थिक महत्त्व है तथा ये वन भारत में सबसे अधिक विस्तृत भू-भाग पर फैले पाए जाते हैं।
17. **मानव के लिए वन निम्न प्रकार से उपयोगी हैं–**
    i. पर्यावरण का संतुलन- वनों से पर्यावरण में संतुलन बना रहता है।
    ii. लकड़ियों की प्राप्ति- वनों से कई प्रकार की लकड़ियाँ मिलती हैं जो मनुष्य के विभिन्न उपयोग में जो लायी जाती हैं।
    iii. आक्सीजन की क्षतिपूर्ति- पेड़-पौधे कार्बन डॉइ आक्साइड लेते हैं और ऑक्सीजन को छोड़ते हैं जिससे ऑक्सीजन की क्षति-पूर्ति होती रहती हैं।
    iv. भूमि-कटाव पर नियंत्रण- वन भूमि के कटाव को कम करता है। अधिक वर्षा वाले क्षेत्र और मरूस्थलीय क्षेत्र मिट्टी के कटाव को वनों को लगाकर ही नियंत्रित किया जाता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

v. जीव-जंतुओं की शरणस्थली- वन जीव जन्तुओं के शरणस्थली होते हैं। वनों में ही जीव-जन्तुओं को संरक्षित रखा जाता है।

18. वनों के संरक्षण एवं विकास हेतु बनाई गई राष्ट्रीय वन नीति के निम्नलिखित उद्देश्य हैं-

i. पर्यावरण संतुलन एवं पुनः स्थापन कर पर्यावरण स्थिरता को बनाए रखना।
ii. वनों की कटाई व मृदा अपरदन को रोकना।
iii. रेत के टीलों के प्रसार को रोकना।
iv. राष्ट्रीय आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु वनों के उत्पादन क्षमता में वृद्धि करना।
v. वन्य उत्पादों के कुशल उपयोग को बढ़ावा और लकड़ी का उपयुक्त प्रतिस्थापन।
vi. वृहद रूप से वनीकरण और सामाजिक वानिकी द्वारा वनाच्छादित क्षेत्र में वृद्धि करना।

19. किसी भी देश में पाए जाने वाले जीवों की भिन्न-भिन्न जातियाँ और उनकी विशेषताएँ जैव विविधता कहलाती हैं। जैव-विविधता के बिना धरती पर मानव का जीवन असम्भव है। भारत के वन्य जीव बहु-प्रजाति वाले और बड़ी संख्या में है। भारत में अभी तक ज्ञात 89,251 प्रजातियाँ हैं। ये सभी परिस्थितिकी का एक हिस्सा हैं एवं प्रकृति में पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में सहायता करती हैं। यदि पारिस्थितिकी को संतुलित न रखा गया तो इससे जंतुओं और पक्षियों की बहुत-सी प्रजातियाँ नष्ट हो जाएँगी। हमारी भावी पीढ़ी तक भी यह विरासत पहुँचे, इसके लिए जरूरी हैं कि संकटापन्न प्रजातियों को समुचित संरक्षण प्रदान किया जाए। पशु और पक्षियों की सभी प्रजातियाँ प्रकृति की सुंदरता को निखारती हैं। वन्य जीवों के अंतर्गत पशु, पक्षी और मछलियाँ आती हैं। ये सभी मानव जाति के लिए कई तरह से उपयोगी हैं। इनसे मनुष्य को दूध, अंडा, गोश्त आदि मिलता है। हम इनसे ऊन, चमड़ा, खाल, हड्डियाँ और सींग प्राप्त करते हैं। पशुओं का उपयोग हल चलाने, रथ/गाड़ी/वाहन चलाने, कुँओं से जल खींचने एवं माल ढोने में होता है। प्रकृति के पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने में भी वन्य जीव महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हैं। वन्य जीवों की निर्मम हत्या/हिंसा न केवल पारिस्थितिक संतुलन को बिगाड़ती है बल्कि इससे कुछ प्रजातियाँ विलुप्त हो जाती हैं।

इन कारणों से भावी पीढ़ियों हेतु इन दुर्लभ पशु पक्षियों का परिक्षण करना अनिवार्य हो गया है। वन्य जीव प्राकृति की सुन्दरता में निखार लाते और इनका विनाश होने की दशा में प्राकृतिक सुन्दरता भी दम तोड़ देगी, इसमें कोई संदेह नहीं है। हमारी आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ जैव-विविधता पर्यावरण संरक्षण में भी प्रमुख भूमिका निभाती है। इन सब के अतिरिक्त जैव-विविधता प्राकृतिक आपदाओं जैसे- बाढ़, सूखा, से भी मानव को राहत प्रदान करती है।

जैव-विविधता को तीन भागों में बांटा जाता है– अनुवांशिक विविधता, प्रजातीय विविधता, तथा पारितंत्र विविधता।

जैव-विविधता का संरक्षण – जैव-विविधता का संरक्षण अर्थात जैविक संसाधनों का प्रबंधन जिससे उपयोग के साथ-साथ गुणवत्ता भी बनी रहे।

20. 'वन्य जीव संरक्षण' का अर्थ है उन प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखना जो हमें प्रकृति ने उपहार में दिए हैं। इसमें वे जानवर शामिल हैं जो न तो पालतू होते हैं और न ही समझदार, बल्कि पूरी तरह से जंगलों में रहने वाले जंगली जीव हैं। इन जानवरों और पौधों की प्रजातियों का संरक्षण इसलिए आवश्यक है ताकि वे विलुप्त होने के खतरे से बच सकें। इस प्रक्रिया को ही वन्य जीव संरक्षण कहा जाता है। जंगली जानवर और पौधे अपने पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये जीव हमारी प्रकृति की सुंदरता में चार चाँद लगाते हैं। उनकी अनूठी विशेषताएँ, जैसे कुछ पक्षियों और जानवरों की मधुर आवाजें, हमारे वातावरण को मनोहारी और अद्भुत बनाती हैं।

वन्य जीव संरक्षण की आवश्यकता

हाल के वर्षों में पेड़ों और जंगलों की अंधाधुंध कटाई के कारण वन्य जीवों के आवास तेजी से समाप्त हो रहे हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

मानव गतिविधियाँ, जैसे अवैध शिकार और पर्यावरण का दोहन, अनेक प्रजातियों के विलुप्त होने का कारण बन रही हैं। किसी भी वन्य जीव को केवल मनोरंजन के लिए मारना न केवल अनैतिक है, बल्कि यह एक गंभीर अपराध भी है।

वन्य जीव संरक्षण के उपाय

जंगली जानवर और पौधे पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण होते हैं। उनके महत्व को नकारा नहीं जा सकता। कई कारक, जैसे बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, संसाधनों का अत्यधिक दोहन, और अवैध शिकार, वन्य जीवों के लिए खतरा बन रहे हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए सरकार ने कई नीतियाँ और कार्यक्रम बनाए हैं।

इसलिए, यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम अपने पर्यावरण और अक्षय संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएँ। इनकी सुरक्षा हमारे भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है, और हमें इन्हें बुद्धिमानी से उपयोग करना चाहिए।

21. भारत में परम्परागत रूप से कई प्रजातियाँ पर्वतीय क्षेत्रों में निवास करती हैं। वन उनका निवास स्थल है। इसीलिए ये स्थानीय जातियाँ सरकार के साथ मिलकर वनों का संरक्षण करने में जुटी हैं। राजस्थान के सरिस्का गाँव के लोगों ने वहाँ पर खानें खोदने का विरोध किया। इसके लिए उन्होंने वन्य जीव संरक्षण अधिनियम का सहारा लिया। (जो 1972 में पारित किया गया। यह अधिनियम जम्मू-कश्मीर को छोड़कर और देश में सभी जगह लागू है।) राजस्थान के अलवर में लोगों ने शिकार पर प्रतिबंध लगाने के लिए स्वयं नियम बनाए हैं। हिमालयन क्षेत्र में चिपको आंदोलन ने जातिगत कार्यों को प्रोत्साहन देते हुए ही वहाँ पर वनों को बचाया। टिहरी में किसानों का "बचाओ आंदोलन" एवं "नवदानय" के अनुसार रसायनिक उर्वरको के उपयोग के बिना भी फसल उत्पादन किया जा सकता है। विभिन्न प्रजातियों के लोग भिन्न-भिन्न पेड़ों की पूजा करते हैं इसीलिए वे उन्हें संरक्षण भी प्रदान करते हैं, जैसे छोटा नागपुर में मुंडा और संथाल जाति के लोग महुआ और कदम्ब की पूजा करते हैं इस प्रकार वे वनस्पति और जीवों को संरक्षण प्रदान करते हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES